

उर्जा का इस्तेमाल समझदारी के साथ

पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली में बिजली की मांग काफी तेज़ी से बढ़ी है। इस साल मई में दिल्ली की बिजली की मांग 4823 मेगावाट दर्ज की गई जो 2010 की अधिकतम मांग 4720 मेगावाट को पार कर रिकार्ड स्तर तक पहुंच गई। दिल्ली में बिजली की प्रति व्यक्ति सालाना खपत 1615 यूनिट है जो कि देश में प्रति व्यक्ति बिजली की औसत खपत से दुगुनी है।

दिल्ली अपनी बिजली की कुल जरूरत का सिर्फ एक चौथाई हिस्सा ही उत्पादित करती है। बिजली की बाकी जरूरतों को पूरा करने के लिए अन्य राज्यों पर निर्भर है। क्या आप जानते हैं कि 2 से 5 यूनिट बिजली बनाने में 1 किलो कोयले की खपत होती है? यही समय है जब राजधानी दिल्ली के जिम्मेदार नागरिक बिजली बचत के जरिये कार्बन फुटप्रिंट को कम कर के उर्जा संरक्षण को बढ़ावा और पर्यावरण को बचाने में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं।



बिजली बचत को बढ़ावा देने और इससे संबंधित नए सुझावों और विचारों को जानने के लिए अब, बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड – बीवाईपीएल और बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड – बीआरपीएल ने **माय कूल आइडिया** नामक एक जागरूकता अभियान शुरू किया है जिसके तहत, उपभोक्ताओं और स्कूली बच्चों को बताया जा रहा है कि वे कैसे इस भीषण गर्मी में बिजली की बचत कर उर्जा संरक्षण को बढ़ावा दे सकते हैं। बीएसईएस ने अपनी वेबसाइट पर मायकूलआइडिया नाम से एक लिंक भी डाल दिया है, जहां उपभोक्ता और स्कूली बच्चे बिजली बचत के बारे में अपने सुझाव दे सकते हैं।

तो आप किस चीज का इंतजार कर रहे हैं। उर्जा संरक्षण से जुड़े सुझाव तुरन्त दें। www.bsesdelhi.com पर लॉग आनें करे

BSES
BSES Rajdhani Power Limited
Regd. Off.: BSES Bhawan, Nehru Place, New Delhi - 110019

BSES
BSES Yamuna Power Limited
Regd. Off.: Shakti Kiran Building, Karkardooma, Delhi - 110032

बिजली बचत के टिप्स

बिजली एक दुर्लभ वस्तु है, इसका इस्तेमाल सोच-समझकर करें। ऐसा करके न सिर्फ आप (खासतौर पर पीकआवर्स के दौरान) बिजली बचाने में मदद करेंगे बल्कि पैसे की भी बचत कर सकते हैं। पेश है यहां आपके लिए उर्जा बचत के कुछ टिप्स।

सोलर कंट्रोल फिल्म

- सोलर कंट्रोल फिल्म घरों, कार्यालयों और गाड़ियों को गर्म होने से बचाने में मदद करता है। इससे अल्ट्रा वायलेट किरणें आपके घर में नहीं आ पाएंगी। इसके इस्तेमाल से न सिर्फ आप बिजली की बचत कर सकते हैं बल्कि अल्ट्रा वायलेट किरणों के पड़ने वाले दुष्प्रभाव से होने वाली बीमारियों से भी बच सकते हैं।
- सोलर कंट्रोल फिल्म के इस्तेमाल से आपके कमरे को ठंडा करने के लिए आपके एसी को भी कम मेहनत करनी पड़ेगी। बिजली कम खर्च होगी, तो आपका बिल भी कम आएगा। सोलर कंट्रोल फिल्म को लगाने और छत को सफेद रंगने से आपके एसी के बिल में 5 से 10 प्रतिशत की कमी आ सकती है।
- इससे आपके घर के तापमान में 80 प्रतिशत की कमी आयेगी और बिजली की खपत में 30-50 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है।

सफेद - छत

- छत को सफेद रंग से पेंट कर दें या उस पर सफेद टाइल्स लगवायें। रेजीडेन्शियल और कमर्शियल छत को सफेद रंग से पेंट कराने या उस पर सफेद टाइल्स लगवाने से एयरकंडीशन से होने वाले बिजली की खपत में 20 प्रतिशत की कमी आयेगी।
- एक्सपर्ट के अनुसार 1000 स्क्वायर फीट छतों पर सफेद मटेरियल लगाने से 10 मीट्रिक टन ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन में कमी होगी।

स्विच ऑफ

- इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को स्टैंड-बाय मोड पर न रखें क्योंकि आपका बिजली मीटर ऐसी स्थिति में भी बिजली की खपत को रिकॉर्ड करता है। एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि रिमोट कंट्रोल से उपकरणों को स्विच ऑफ करने (स्टैंड - बाय मोड में रखने) से दिल्ली में 175 मेगावॉट बिजली बर्बाद हो जाती है।

- आईएसआई मार्क वाले, और ऊर्जा कुशल उपकरण (बीईई रेटिंग युक्त) खरीदें ताकि बिजली की खपत कम हो सके।

लाइटिंग सिस्टम

- जब उपयोग में न हो, बत्ती व पंखे बंद कर दें।
- जहां तक संभव हो, टास्क लाइटिंग का विकल्प चुनें। जहां रोशनी की जरूरत होगी, वहीं पर यह केंद्रित रहेगी। साधारण बल्बों की जगह ऊर्जा कुशल सीएफएल का प्रयोग करें जो 80 प्रतिशत तक कम बिजली की खपत करते हैं।
- बल्ब, ट्यूब लाइट्स आदि को नियमित तौर पर साफ करते रहें, क्योंकि धूल होने पर 50 प्रतिशत तक रोशनी बर्बाद हो जाती है।
- एलईडी लाइटिंग साधारण बल्ब के मुकाबले आठ गुना और सीएफएल के मुकाबले दो गुना बिजली बचत करने में सक्षम है। साधारण बल्ब से 90 प्रतिशत तक बिजली की खपत होती है और साफ रोशनी देने के बजाय गर्मी प्रदान करते हैं।
- लाइट कलर का प्रयोग करके प्राकृतिक रोशनी का लाभ उठाएँ। हल्के परदे का इस्तेमाल खिड़कियों पर करें ताकि दिन के समय में रोशनी कमरे के अंदर प्रवेश कर सके।

रूम एसी

- एयरकंडीशनर चलाने पर प्रति घंटे 10 रुपये से अधिक का खर्च आता है। पौधे व लताएं लगाकर दीवारों व खिड़कियों को ढक दें। इससे आप बिजली की खपत को 40 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं।
- एसी का थर्मोस्टेट 25 डिग्री सेल्सियस पर रखें, ताकि कम से कम लागत पर अधिक से अधिक लाभ मिले।
- जहां तक संभव हो, एयरकंडीशंड कमरे के दरवाजे को बंद रखें।
- एसी के फिल्टर की सफाई हर महीने करें।
- अगर संभव हो तो एक समय में परिवार के सभी सदस्य अलग-अलग कमरों में बैठकर एसी चलाकर टीवी देखने के बजाय एक ही कमरे में बैठकर टीवी देखें।

रेफ्रिजरेटर/फ्रीजर

- ध्यान रखें कि रेफ्रिजरेटर पर सीधी धूप न पड़ रही हो और किसी भी तरह गर्मी वहां तक न पहुंचे।
- रेफ्रिजरेटर के चारों ओर जगह रखें, ताकि

हवा आ - जा सके। याद रखें कि अगर गर्मी का निकास नहीं होगा तो क्लिंग सिस्टम को ज्यादा काम करना पड़ेगा और इसमें बिजली की खपत अधिक होगी।

- मैनुअली डीफ्रॉस्ट रेफ्रिजरेटर में फ्रीजर को नियमित रूप से डीफ्रॉस्ट करें।
- अपने रेफ्रिजरेटर का दरवाजा ज्यादा समय तक खुला न रखें। डोर गारकेट- दरवाजे के बाहरी किनारे पर रबड़ की सतह - को नियमित रूप से चेक करते रहे।

माइक्रोवेव

- माइक्रोवेव में पकाने से पहले सब्जियों को गर्म पानी में भिगोकर रखें, इससे पकाने में समय की बचत होगी।
- आम ओवन की जगह माइक्रोवेव ओवन का प्रयोग करें। इससे बिजली के खर्च में 50 प्रतिशत तक की बचत की जा सकती है।
- बड़ी व मोटी आइटमों को बाहर की तरफ रखें क्योंकि माइक्रोवेव डिश को बाहर से बीच की तरफ पकाता है।

कंप्यूटर

- जब उपयोग में न हो, तो कंप्यूटर को ऑफ कर दें।
- खपत हुई कुल बिजली का आधा से अधिक हिस्सा मॉनिटर उपयोग कर लेता है। यदि आपको कंप्यूटर ऑन भी रखना हो, तो भी मॉनिटर को तो ऑफ कर ही दें।
- स्क्रीन सेवर बिजली की कोई बचत नहीं करते। कंप्यूटर को स्टार्ट करने और शट डाउन करने में बिजली का अतिरिक्त उपयोग नहीं होता है और न ही इससे कंप्यूटर को कोई नुकसान पहुंचता है। इसलिए, उपयोग में न होने पर कंप्यूटर को शट डाउन करना जहां सिस्टम की सेहत के लिए अच्छा है, वहीं यह बिजली भी बचाता है।

इनवर्टर- जनरेटर- गीजर

- इनवर्टर - जनरेटर - गीजर के लिए एक टोटल इंस्टॉलेशन रिले लगवाएं ताकि बिजली गुल रहने के दौरान भी आप का बिजली का मीटर चलता न रहे।
- थर्मोस्टेट युक्त गीजर लगवाएं।
- हर साल अपने गीजर की सर्विसिंग करवाएं।

एप्लाइंसेस और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आपके बिजली बिल को बढ़ाते हैं। जब आप नये एप्लाइंसेस इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की खरीददारी करते हैं तो एनर्जी एफीसिएंसी लेबल को देख लें।

* गर्मी पीक ऑवर्स:- दोपहर 2 से शाम 4 बजे और शाम 8 से रात 11 बजे
सर्दी पीक ऑवर्स:- सुबह 7 बजे से सुबह 9 बजे और शाम 7 बजे से रात 9 बजे



बीएसईएस हेल्पलाइन नंबर

बीआरपीएल

399-99-707

बीवाईपीएल

399-99-808

www.bsedelhi.com